थार रेगिस्तान में हड़प्पा स्थल की खोज

चर्चा में क्यों?

इतिहास प्रवक्ता दिलीप कुमार सैनी और स्थानीय नागरिक **पार्थ जांगिड़** द्वारा राजस्थान के जैसलमेर ज़िले में **रताडिया री ढेरी** नामक स्थान पर एक **नया हड़प्पा स्थल** खोजा गया है।

मुख्य बिंदु

- **नए हड़प्पा स्थल के बारे में:**
  - रताडिया री ढेरी की खोज **राजस्थान के थार रेगिस्तान** में पाई गई पहली **सिंधु घाटी बस्ती** है।
  - यह स्थल **पाकिस्तान के सदेवाला** से **17 किमी उत्तर-पश्चिम** में स्थित है, जहाँ पहले हड़प्पा सभ्यता के अवशेष पाए गए थे।
  - यह खोज राजस्थान और गुजरात के बीच **पुरातात्त्विक मानचित्र** में एक **महत्त्वपूर्ण कड़ी** को जोड़ती है।
- **पृष्ठभूमि:**
  - इससे पूर्व राजस्थान में सबसे **प्रसिद्ध हरप्पाई स्थल** उत्तर स्थित **पीलीबंगा** था, जिसकी खोज **20वीं सदी के प्रारंभ** में **इटालियन भारतविद् लुइगी पियो टेस्सितोरी** द्वारा की गई थी।
- **प्राप्त अवशेष:**
  - यहाँ से प्राप्त वस्तुओं में **लाल मृद्भाण्ड** (जैसे कटोरे, हाँडी और घड़े), **मिट्टी व शंख की चूड़ियाँ, टेराकोटा की वस्तुएँ, पाषाण उपकरण** तथा **कीलनुमा ईंटें** शामिल हैं, जिनका उपयोग **भट्टियों** में किया गया था।
  - इस स्थल पर पाई गई भट्टियाँ गुजरात के **कण्मेर** और पाकिस्तान के मोहनजोदड़ो से प्राप्त भट्टियों के समान हैं, जो यहाँ एक **विकसित बस्ती** के अस्तित्व का संकेत देती हैं।
- **काल निर्धारण एवं महत्त्व:**
  - पुरातत्त्ववेदों ने इस स्थल को **सिन्धु घाटी सभ्यता के परिपक्व नगरीय चरण** (ईसा पूर्व 2600 से 1900) से संबंधित माना है।
  - इसे **टेराकोटा पट्टिकाओं, मृद्भाण्ड, पाषाण उपकरण** तथा **चर्ट ब्लेड के अवशेषों** के आधार पर चिह्नित किया गया है, जो इसे **सिंधु क्षेत्र के हरप्पाई व्यवस्था** से जोड़ते हैं।
    - **चर्ट ब्लेड** (एक प्रकार का पत्थर) जैसी कलाकृतियाँ, **लंबी दूरी के व्यापार** और **संसाधनों के बँटवारे** को दर्शाती हैं, जो **सिंधु घाटी के शहरों** की विशेषता है।

सिंधु घाटी सभ्यता

- **परिचय:**
  - हड़प्पा **सभ्यता**, जिसे सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) **के रूप में भी जाना जाता है, सिंधु नदी** के किनारे लगभग **2500 ईसा पूर्व में विकसित हुई थी।**
  - यह मिस्र, मेसोपोटामिया और चीन के साथ **चार प्राचीन शहरी सभ्यताओं में सबसे बड़ी थी**।
- **ताँबा आधारित मिश्रधातुओं** से बनी अनेक कलाकृतियों की खोज के कारण सिंधु घाटी सभ्यता को **कांस्य युगीन सभ्यता के रूप में वर्गीकृत किया गया है।**
- **दया राम साहनी ने** सबसे पहले वर्ष **1921-22 में हड़प्पा की खोज की** और **राखल दास बनर्जी ने वर्ष 1922** में **मोहनजोदड़ो की** खोज की।
- **ASI के महानिदेशक सर जॉन मार्शल** उस उत्खनन के लिये जिम्मेदार थे जिससे सिंधु घाटी सभ्यता के हड़प्पा और मोहनजोदड़ो स्थलों की खोज हुई।
- **चरण:** **NCERT** के अनुसार, इस सभ्यता का समय **6000 ईसा पूर्व से 1300 ईसा पूर्व** तक है। सभ्यता के चरण:
  - **प्रारंभिक हड़प्पा (6000 ईसा पूर्व - 2600 ईसा पूर्व)**: यह सभ्यता का **प्रारंभिक चरण** है।
  - **परिपक्व हड़प्पा (2600 ईसा पूर्व - 1900 ईसा पूर्व)**: **शहरी चरण** (परिपक्व हड़प्पा), जो सभ्यता का सबसे **समृद्ध चरण** है।
  - **उत्तर हड़प्पा (1900 ईसा पूर्व - 1300 ईसा पूर्व)**: **पतनशील चरण**, जब सभ्यता का **पतन** शुरू हुआ।

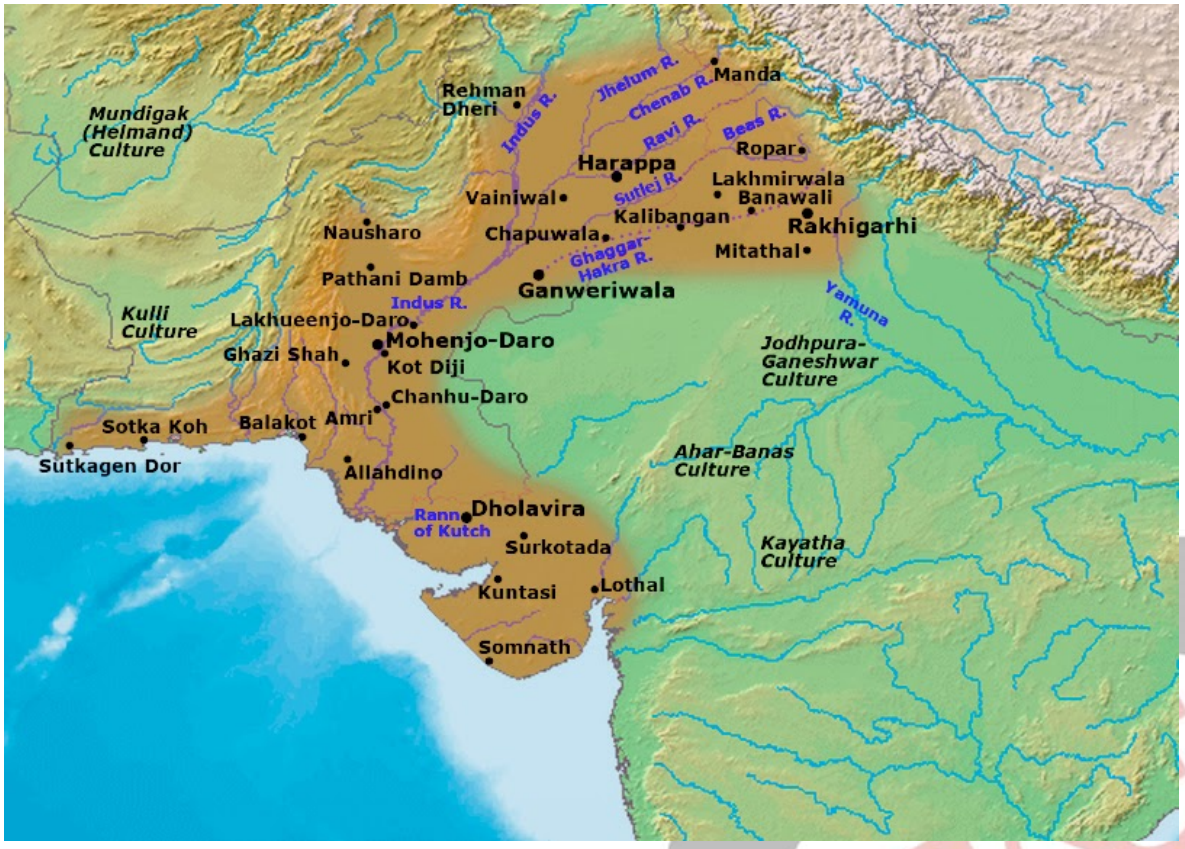

हड़प्पा सभ्यता के महत्त्वपूर्ण स्थल			
स्थल	**खोजकर्त्ता**	**अवस्थिति**	**महत्त्वपूर्ण खोज**
हड़प्पा	दयाराम साहनी (1921)	पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मोंटगोमरी जिले में रावी नदी के तट पर स्थित है।	• मनुष्य के शरीर की बलुआ पत्थर की बनी मूर्तियाँ • अन्नागार • बैलगाड़ी
मोहनजोदड़ो (मृतकों का टीला)	राखलदास बनर्जी (1922)	पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के तट पर स्थित है।	• विशाल स्नानागर • अन्नागार • कांस्य की नर्तकी की मूर्ति • पशुपति महादेव की मुहर • दाड़ी वाले मनुष्य की पत्थर की मूर्ति • बुने हुए कपडे
सुत्कान्गेडोर	स्टीन (1929)	पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी राज्य बलूचिस्तान में दाश्त नदी के किनारे पर स्थित है।	• हड़प्पा और बेबीलोन के बीच व्यापार का केंद्र बिंदु था।
चन्हुदड़ो	एन .जी. मजूमदार (1931)	सिंधु नदी के तट पर सिंध प्रांत में।	• मनके बनाने के कारखाने • बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते के पदचिह्न
आमरी	एन .जी . मजूमदार (1935)	सिंधु नदी के तट पर।	• हरिन के साक्ष्य
कालीबंगन	घोष (1953)	राजस्थान में घग्गर नदी के किनारे।	• अग्नि वेदिकाएँ • ऊँट की अस्थियाँ • लकड़ी का हल

लोथल	आर. राव (1953)	गुजरात में कैम्बे की कड़ी के नजदीक भोगवा नदी के किनारे पर स्थित।	• मानव निर्मित बंदरगाह • गोदीवाडा • चावल की भूसी • अग्निवेदिकाएं • शतरंज का खेल
सुरकोतदा	जे.पी. जोशी (1964)	गुजरात।	• घोड़े की हड्डियाँ • मनके
बनावली	आर.एस. विष्ट (1974)	हरियाणा के हिसार जिले में स्थित।	• मनके • जौ • हड़प्पा पूर्व और हड़प्पा संस्कृतियों के साक्ष्य
धौलावीरा	आर.एस.विष्ट (1985)	गुजरात में कच्छ के रण में स्थित।	• जल निकासी प्रबंधन • जल कुंड

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/discovery-of-harappan-site-in-thar-desert